

तुम बसी हो कण कण में

माँ माँ माँ...

तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में,
हम मूढ़मति हम अनजाने,
हम मूढ़मति हम अनजाने,
माँ साथ तुम्हारा क्या जाने,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में....

तेरी माया तो ना जान सके,
तुझको ना कभी पहचान सके,
हम मोह की निद्रा सोये रहे,
माँ इधर उधर ही खोये रहे,
तू सूरज तू ही चन्द्रमा,
तू सूरज तू ही चन्द्रमा,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में...

हर जगह तुम्हारे डेरे माँ,
कोई खेल ना जाने तेरे माँ,
इन नैनो को ना पता लगे,
किस रूप में तेरी ज्योत जगे,
तू पर्वत तू ही समंदर माँ,
तू पर्वत तू ही समंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढ़ते रह गये मंदिर में....

कोई कहता तुम ही भवन में हो,
और तुम ही ज्वाला अग्न में हो,
कहते हैं अम्बर और ज़मीं,
तुम सब कुछ हो हम कुछ भी नहीं,
फल फूल तुम्ही हो तरवर माँ,
फल फूल तुम्ही हो तरवर माँ,

हम ढूँढते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढते रह गये मंदिर में,
तुम बसी हो कण कण अंदर माँ,
हम ढूँढते रह गये मंदिर में,
हम ढूँढते रह गये मंदिर में,
हम ढूँढते रह गये मंदिर में,
हम ढूँढते रह गये मंदिर में.....

<https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/25956/title/tum-basi-ho-kan-kan-me>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |